शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

प्रधान सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

Email Id: *shodhmanthaneditor@gmail.com*

सम्पादकीय समिति

प्रो0 श्रीकांत मिश्रा, विभाग प्रमुख, दर्शनशास्त्र, ए पी एस विश्वविद्यालय, रेवा,

डॉ0 विशेष गुप्ता, सेवानिवित प्रो0, एम0एच0पी0जी0 कॉलिज, मुरादाबाद. *guptavishesh56@gmail.com*

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0,, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर *satyveer171@gmail.com*

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर. *vinod_kalra66@yahoo.com*

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी, *ngelanamika22@gmail.com*

डॉ0 पूजा खन्ना, असि0 प्रो0, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलिज, मुरादाबाद, *mailme.pujakapoor@rediffmail.com*

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0ए सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा, *kamnacmk78@gmail.com*

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, महात्मा गॉधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस, *kdramjatton@yahoo.com*

- शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।
- शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।
- शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।
- प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।
- अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे
- सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
- **Authors are responsible for the cases of plagiarism.**

Published by JOURNAL ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

In India	Rs. 750.00 प्रति अंक	Rs. 3000.00 वार्षिक
Out of India	$ 75.00 प्रति अंक	$ 300.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 8.354 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XII No. II **April-June 2021**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

24 'पंजाब के कला सरताज'– प्रोफ़ेसर एस.एल. पराशर
डॉ0 कविता सिंह 157

25. स्वास्थ्य के संदर्भ में गाँधी दृष्टिः एक अवलोकन
डॉ. माईकल 164

26. कबीर : सामाजिक चेतना की यथार्थता
डॉ0 जितेन्द्र कुमार परमार 172

27. बी.एस.टी.सी. प्रशिक्षाणर्थियों मे आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन
डॉ. किरण गिल 180

28. लॉकडाउन–प्राकृतिक पर्यावरण हेतु एक वरदान, भारत के सन्दर्भ में
डॉ0 बी0पी0 सिंह 185

29. उत्तराखण्ड राज्य के रामनगर नगर की बंजारा जनजाति का सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन व पलायन के कारणों का अध्ययन
डा0 सिराज अहमद, शादाब जहाँ 190

30. पुराणों में गंगा माहात्म्य (नास्ति गणसमा नदी)
डॉ0 उपासना सिंह 198

31. ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन की सम्भावनाएँ
डा0 सीमा रानी 204

32. भारत – अमेरिका संबंध और रूस वर्तमान परिदृष्य
डॉ0 अमित कुमार गुप्ता 209

33. भारतीय सामुद्रिक क्षेत्रों की सुरक्षा व एशियाई तालमेल
डॉ0 माया गुप्ता 215

34. प्राथमिक स्तर पर परिषदीय एंव अन्य अभिकरणों द्वारा संचालित विद्यालयों के विद्याार्थियों की शैक्षिक उलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन
डॉ0 निरंजन कुमार प्रजापति 220

35. अबादी बानो बेगमः स्वतन्त्रता आंदोलन की गुमनाम व्यक्तित्व
डॉ0 पंकज शर्मा 225

36. सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत ज्योतिबा फुले
डॉ0 माईकल 228
37. विकलांगों के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के योगदान का समाजशास्त्रीय विश्लेषण
डॉ0 जे0एस0पी0 पाण्डेय, सन्दीप पाण्डेय 235
38. ग्रामीण समाज में नरवा, गरूवा, घुरूवा और बाड़ी की उपयोगिता एवं महत्व का अध्ययन (छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगॉव जिले के संदर्भ में)
एस कुमार, सपना शर्मा सारस्वत 244
39. प्रागैतिहासिक कला में प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
कु0 रीना 250
40. इन्दौर जनपद (म0प्र0) में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप पर प्राकृतिक एवं मानवीय क्रियाओं का प्रभाव
पंकज कुमार शर्मा 258
41. स्वामी विवेकानंद के दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' का वर्त्तमान परिप्रेक्ष्य में आवश्यकता एवं महत्व
रश्मि कुमारी 264
42. भारत चीन संबंध .जी 7 विस्तार के संदर्भ में
श्रीमती अंजली गुप्ता 269
43. लौह अयस्क खदानों में कार्यरत ठेका श्रमिकों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति
देवेश मेश्राम, सपना शर्मा सारस्वत 275
44. पाकिस्तान में प्राकृतिक संसाधनों का दोहनः ब्लूचिस्तान के विशेष संदर्भ में
पूजा 286
45. प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति का महत्व
सुप्रिया संजू 296
46. वर्तमान युवा पीढ़ी एवं मूल्यः एक विश्लेषण
डॉ. रश्मि पंत 304
47. सन्तानान्तरसिद्धि
श्रुति शर्मा 309
48. बिटिश उपनिवेशवाद के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक तत्व
विकास गर्ग 316
49. बी०बी० नगर, बुलन्दषहर में घरेलू हिंसाः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
डॉ० कविता वर्मा 320
50. भारत में अध्यापक शिक्षा का विकास एवं अध्यापक–शिक्षा पाठ्यक्रम निर्धारण के लिए कुछ सुझाव
डॉ० सुमन शर्मा 328

संपादकीय

शोध से प्राप्त तथ्यों को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने का कार्य शोध पत्र लेखनकर्ता का दायित्व है। शोधकर्ता द्वारा लिखित शोध पत्र को ज्ञानपिपासुओं तक पहुंचाने का कार्य जर्नल (शोध पत्रिका) व पुस्तक प्रकाशक के हाथ में है। गत बारह वर्षो से **शोध मंथन** नित नई ऊचांइयों को छू रहा है और विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रभाजित भी होता रहा है। शोध मंथन एक बहु–विषयी शोध पत्रिका है जो महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर तैयार किये गये शोध पत्रों को शोध के उत्सुक पाठकों तक पहुंचाती है।

पंजाब के कला सरताज प्रोफेसर एस0एल0 पाराशर के ऊपर लिखे डा0 कविता सिंह के शोध पत्र से स्थानीय कलाकारों को विश्व में प्रसिद्धि व पहचान पाने का अवसर मिलता है। कबीर, ज्योतिबाफुले व स्वामी विवेकानन्द जैसे दिग्गज समाज सेवकों के विषय में शोधकर्ताओं ने नवीन बिन्दुओं को तलाश कर अपने शोध पत्र में प्रस्तुत किया है।

बी0एस0टी0सी0 प्रशिक्षार्थियों के आत्मविश्वास, लाकडाउन में पर्यावरण की स्थिति, विकलांगों के लिये किए जा रहे सरकारी–गैर सरकारी प्रयासों, लौह खदानों के श्रमिकों की समस्याओं, बंजारा जनजाति के सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन आदि बहुत से महत्वपूर्ण व अनछुए मुद्दों पर भी शोध पत्र लेखकों ने तथ्यपरक जानकारी संतुलित शब्दों में प्रस्तुत की है।

शोध पत्र लेखन के समय अनुसंधान पद्धति के प्रमुख चरणों का ध्यान रखते हुए लिखे गये शोध पत्र बरबस पाठकों को आकर्षित करते हैं। तीन विषय विशेषज्ञों से प्रकाशनार्थ स्वीकृति प्राप्त होने पर ही शोध पत्र को शोध पत्रिका में ऑनलाइन व ऑफलाइन स्थान दिया जाता है। प्रत्येक क्षेत्र में संदर्भ सूची, लेखन के विभिन्न माध्यम प्रस्तुत किये जाते है, लेकिन शोध मंथन में प्रकाशक द्वारा स्वीकृत मापदण्ड का प्रयोग किया जाता है जिससे कि पत्रिका की गुणवत्ता को कायम रखा जा सके। शोध की रूपरेखा (Abstract) व शोध पत्र अध्ययन बिन्दु (Keywords)को भी शोध पत्र के आरम्भ में प्रस्तुत किया जाता है ताकि वह अन्तर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा कर सके।

भविष्य में शोध पत्र लेखक का संक्षिप्त परिचय देने का भी प्रयास किया जा सके, ऐसा विचार सम्पादक मण्डल के समक्ष रखा जायेगा तथा स्वीकृति पश्चात् कार्यान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास है।

शोध पत्रिका व पत्रों से संबंधित आपकी कटु व तथ्यपरक आलोचना का हम सदैव स्वागत करते हैं क्योंकि इससे शोध पत्रिका की गुणवत्ता को निखारने का हमें अवसर प्राप्त होता है।

शुभाकांक्षी

सम्पादक